



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 252]
No. 252]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 16, 1985/अग्रहायण 25, 1907
NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 16, 1985/AGRAHAYANA 25, 1907

इस भाग में निम्न सूच सूचना की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन से कम से
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त संचालय
(प्राथमिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1985

अधिसूचना

सं. एक. 4 (5) डब्ल्यू एण्ड एम/85 :—9.25 प्रतिशत ऋण, 1992, (दूसरा निर्गम) और 10.50 प्रतिशत ऋण, 2005 (दूसरा निर्गम) के लिए 600 करोड़ रुपये की कुल राशि के बांटे 23 दिसंबर, 1985 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अधिवान नकदी में स्वीकार किये जायेंगे। परन्तु लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 23 दिसंबर 1985 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आवाता कार्यालयों में अधिवान स्वीकार किये जायेंगे। सरकार को 600 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक या यथासंभव उसके निकट अधिवानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अधिवान राशि 660 करोड़ रुपये से अधिक हो तो ऋणों के संवर्ध में अनुपातिक आधार पर प्रांशिक बांटे-टन किया जायेगा। यदि प्रांशिक बांटे-टन किया जाता है तो प्रांशिक बांटे-टन के बाद यथासंभव अधिक अधिवान की राशि लौटा दी जायेगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज भुगतान नहीं किया जायेगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 22 जुलाई, 1992 को सममूल्य पर प्रतिदेय 9.25 प्रतिशत ऋण, 1992 (दूसरा निर्गम)

- (1) वापसी भुगतानों की तारीख—ऋण 22 जुलाई, 1992 को सममूल्य पर वापस भुगतान किया जायेगा।
- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।

- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 23 दिसंबर, 1985 से वार्षिक 9.25 प्रतिशत होगी। 23 दिसंबर, 1985 से 21 जनवरी, 1986 (दोनों दिन मिलाकर) तक का ब्याज 22 जनवरी 1986 को भुगतान किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 22 जुलाई और 22 जनवरी को ब्याज भुगतान किया जायेगा। इस प्रकार भुगतान किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 7 और 8 के उपबंधों के अधीन भुगतान अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद भुगतान की जायेगी।

4. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 मई, 2005 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.50 प्रतिशत ऋण, 2005 (दूसरा निर्गम)

- (1) वापसी प्रदायगी की तारीख—ऋण 21 मई, 2005 को सम-मूल्य पर वापस प्रदा किया जायेगा।
- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 23 दिसंबर, 1985 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। 23 दिसंबर, 1985 से 20 मई, 1986 (दोनों दिन मिलाकर) तक का ब्याज 21 मई, 1986 को प्रदा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 21 मई और 21 मई को ब्याज प्रदा किया जायेगा। इस प्रकार प्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 7 और 8 के उपबंधों के अधीन प्रायकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की गृह राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद प्रदा की जायेगी।

पूरक व्यवस्थाएं

5. प्रावेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे:—

- (क) ग्रहमवाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गीहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और
- (ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

6. ब्याज प्रदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के ग्रहमवाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गीहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकीय या उप राजकीय में ब्याज प्रदा किया जायेगा।

7. ब्याज प्रदा करने समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी प्रदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसे दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के प्रायकर अधिकारी को प्रावेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिससे यह प्राविष्ट किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली स्थूलतम दर पर कर की कटौती कर के उसे ब्याज प्रदा किया जाए।

भारत का निवासी/ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज प्रदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धा-

रित काम में दो प्रतियों में घोषणा-पत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

8. प्रदा जारी किये जानेवाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 7,000 रुपयों की सीमा तक और प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 30 ठ के अन्य उपबंधों के अधीन प्रायकर से छूट प्राप्त होगी।

9. प्रदा जारी किये जानेवाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निविष्ट प्रत्य निवेशों के मूल्य की भी अधिनियम में निविष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

10. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जायेंगी:—

- (1) स्टॉक प्रमाणपत्र, या
- (2) बचनपत्र।

यदि प्रावेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करे तो स्टॉक प्रमाण-पत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जायेंगी।

11. ऋणों के लिए प्रावेदनपत्र—ऋणों के लिए प्रावेदन पत्र रु. 1000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

12. प्रावेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए, जिनमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, प्रावेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां प्रावेदक ब्याज की प्रदायगी की प्रवेदा करता है।

13. प्रावेदन पत्रों के साथ प्रावश्यक राशि नकदी या बैंक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले बैंक संबंधित बैंक के नाम प्राहृत किये जाने चाहिए।

14. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से ऋण प्रावेदन-पत्रों पर किये गये प्रॉबंटनों पर तथा बलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी सुहरयुक्त ऋण प्रावेदनपत्रों पर किये गये प्रॉबंटनों पर प्रति रु. 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलासी प्रदा की जायेगी। बैंक-धाणिज्य और सहकारी बैंक उनके अपने अधिकारियों के लिए दलासी की प्रदायगी के पात्र नहीं होंगे।

दलासी की प्रदायगी के लिए ऋण जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से,
ए. रंगाचारी, संयुक्त सचिव

प्रावेदनपत्र का फार्म

मे/हमें* _____	
(पूरा/पूरे नाम)	
इसके साथ रु. _____	रुपये)
के लिए नकदी* प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुमोद करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें* नीचे उल्लिखित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों के पत्र/पत्रों के रूप में	
बैंक	स्टॉक प्रमाणपत्र
रु. _____ के सांकेतिक मूल्य की 9.25 प्रतिशत ऋण, 1992 (दूसरा निर्गम)* / 10.50 प्रतिशत ऋण, 2005 (दूसरा निर्गम)* की प्रतिभूतियां जारी क. जाएं :	
प्रति बचनपत्र रु. _____	का (के) + _____ बचनपत्र
प्रति बचनपत्र रु. _____ का (के) + _____ बचनपत्र	

2. मैं/हम* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका व्याज _____ में भरा किया जाए।

विशेष टिप्पणी:—इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें। प्रविष्टियाँ अदाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।		
1	2	3
	आद्याक्षर	दिनांक
आवेदन पत्र सं.		
"बलासी नहीं" मुहर		
नकदी प्राप्त होने की तारीख		
बैंक बसूल होने की तारीख		
विशेष धातु खाते में जमा करने की तारीख		
जॉब की गयी		
नकदी आवेदन पत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया		
बलासी रजिस्टर में दर्ज किया गया		
मार्ग पत्र सं.		
प्रतिभूति सं.		
कार्ड सं.		
बाउन्स पारित करने की तारीख		

हस्ताक्षर _____
 पूरा (पूरे) नाम _____
 पता _____
 दिनांक: _____ दिनांक 1985

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

+ धनपत्र रु. 1,000, रु. 5,000, रु. 10,000, रु. 25,000, रु. 50,000 और रु. 1,00,000 के मुख्य वर्ग में जारी किये जायेंगे जो मुख्य वर्ग अपेक्षित हो उसका यहाँ उल्लेख करें।

- टिप्पणियाँ: (1) प्रत्येक ऋण, अधिदान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नया ऋण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाण पत्र या धन पत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।
- (2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो वो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएँ।
- (3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेद्य आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाएँ:
- निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।
 - कंपनी/निकाय के स्थापन पत्र और अंतर्निगम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ।
 - कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति (यों) के पत्र में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिबद्ध स्थापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- (4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाण पत्रों के रूप में प्रतिभूतियाँ प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें छमाही व्याज के प्रेषण के लिए प्रादेश कार्ड (भोक्त ऋण कार्यालय में उपलब्ध) भी करना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 16th December, 1985

NOTIFICATION

No. F. 4(5) W&M/85 :—Subscriptions for the issues of 9.25 per cent. Loan, 1992 (Second Issue) and 10.50 per cent. Loan, 2005 (Second Issue) for an aggregate amount of Rs. 600 crores will be received in the form of cash on the 23rd Dec., 1985 upto the close of Banking hours. In the event of 23rd Dec., 1985 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. or as near there to as possible in excess of the sum of Rs. 600 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 600 crores, partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 9.25 per cent. Loan, 1992 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 22nd July, 1992.

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 22nd July, 1992.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 9.25 per cent. per annum from 23rd December, 1985. Interest for the period from 23rd December, 1985 to 21st Jan., 1986 (inclusive) will be paid on 22nd January, 1986 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 22nd July and 22nd January. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 7 and 8 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

4. 10.50 per cent. Loan, 2005 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st May 2005.

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 21st May, 2005.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent. per annum from 23rd December, 1985. Interest for the period from 23rd December 1985 to 20th May, 1986 (inclusive) will be paid on 21st May, 1986 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 21st November and 21st May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 7 and 8 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

5. Applications will be received at—

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and

(b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

6. Place of Payment of Interest—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

7. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

8. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

9. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

10. The securities will be issued in the form of—

(i) Stock Certificates; or (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the Securities will be issued in the form of Stock Certificates.

11. APPLICATIONS FOR THE LOANS—APPLICATIONS FOR THE LOANS MUST BE FOR RS. 1,000 OR A MULTIPLE OF THAT SUM.

12. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

13. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

14. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loans.

By Order of the President,
A. RANGACHARI, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

I/Wc*

(Full Name(s) in Block Letters)

herewith tender *Cash for Rs. (Rupees.) and request that Securities of 9.25 per cent. Cheque

Loan, 1992 (Second Issue)* / 10.50 per cent. Loan, 2005 (Second Issue)* of the nominal value of Rs.

may be issued to me/us* in the form of

*Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below :—

Stock Certificate.

..... Promissory Note(s) + of Rs. each.

..... Promissory Note(s) + of Rs. each.

..... Promissory Note(s) + of Rs. each.

2. I/Wc* desire that interest be paid at

N.B.—The applicant should not write anything in this cage.
The entries will be filled in by the Receiving office.

	Initials	Date
Application No		
N.B. Stamp		
Cash		
Received on		
Cheque		
Realised on		
Credited to		
Special Current		
Account on		
Examined		
Cash		
Applications		
Register		
Posted		
Brokerage		
Register		
Posted		
Indent No.		
Scrip No.		
Card No.		
Voucher		
passed on		

Signature(s)

Name(s) in full

(Block Letters)

Address

Dated the of December, 1985.

*Delete what is not required.

+Promissory Notes will be issued in denomination of Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000, and Rs. 1,00,000.
State here the particular denomination(s) required.

Notes:—(1) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.

(2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—

(i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.

(ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the Company/body.

(iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).

(4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

1261 GI/85—2

